Metro News
01.01.2024

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
1	राज एक्स्प्रेस	भोपाल	01.01.2024	03	नया साल: मेट्रो मे सफर का सपना होगा पूरा, दस हजार करोड़ से अधिक के प्रोजेक्ट जमीन पर उतरेंगे	पाज़िटिव

www.rajexpress.co
2024 संकल्पित नव वर्ष
महानगर
3
सोमवार, 01 जनवरी, 2024
राज एक्सप्रेस
भोपाल

6149 करोड़ से बनेगा भोपाल लेक कॉरिडोर, वेस्टर्न बायपास, जीजी फ्लाय ओवर से ट्रैफिक की आवाजाही होगी आसान

नया साल : मेट्रो में सफर का सपना होगा पूरा, दस हजार करोड़ से अधिक के प्रोजेक्ट उतरेंगे जमीन पर

शहरवासियों के कई सपने होंगे पूरे मिलेंगी अनेक सहूलियतें

भोपाल(आरएनएन)। राजधानी के लिए बीता साल अच्छा रहा और नया वर्ष बेहतर होगा। शहरवासियों का मेट्रो में सफर करने का सपना पूरा हो जाएगा। जून-जुलाई में सुभाष नगर से एम्स के बीच मेट्रो में बैठने का आनंद ले सकेंगे। इसके साथ ही मेट्रो के बाकी रूट का निर्माण भी शुरू होगा। इधर, गणेश मंदिर से गायत्री शक्तिपीठ के बीच फ्लाय ओवर का निर्माण पूरा होने से इस व्यस्ततम मार्ग पर ट्रैफिक की आवाजाही आसान होगी। ऐसा मार्च तक होने की संभावना है। इतना ही नहीं 6,149 करोड़ रुपए लागत के भोपाल लेक कॉरिडोर, वेस्टर्न भोपाल बायपास जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स शुरू होंगे। इसे मिलाकर दस हजार करोड़ से अधिक लागत की योजनाओं का काम जमीन पर दिखने लगेगा।

1769 करोड़ से बनेंगे मेट्रो रूट

मेट्रो के पहले रूट के बाकी हिस्से यानि सुभाष नगर से करोद के बीच मार्ग निर्माण की प्रक्रिया पिछले साल चुनाव के पहले शुरू कर दी गई थी। निर्माण एजेंसी के चयन के लिए टेंडर जारी कर दिए गए थे। इसकी अनुमानित लागत 647 करोड़ रुपए है। इसी तरह भदभदा चौराहा से रजागिरी तिराहा तक मेट्रो का दूसरा रूट बनाने की तैयारी भी आधार संहित लागू होने के पहले वालू कर दी गई थी। मप्र मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने इसके निर्माण पर 1122 करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान लगाया है। यह रूट करीब 13 किमी लंबा होगा और इस पर इतने ही स्टेशन बनाए जाएंगे। रूट और स्टेशन जमीन के ऊपर यानि एलिवेटेड रहेंगे। इन दो मार्गों का निर्माण इस साल शुरू हो जाएगा। इन पर कुल 1769 करोड़ रुपए खर्च होगा।

उम्मीद यह भी कि मास्टर प्लान आएगा, सीएम ने दिए हैं निर्देश

नए साल में उम्मीद यह भी है कि 19 साल की देरी से भोपाल का मास्टर प्लान 2031 लागू हो जाएगा। मुख्यमंत्री का पद संभालते ही डॉ. मोहन यादव के भोपाल समेत तीन शहरों का प्लान जल्द लाने के निर्देश से ऐसी संभावना बन रही है। इसके लिए दो विकल्प नजर आ रहे है। पहला यह कि प्लान में शासन की ओर से किए विवादित संशोधनों को दुरुस्त कर लागू किया जाए। इसके लिए भी हालांकि, दावे-आपत्ति की प्रक्रिया करना होगी। दूसरा रास्ता यह है कि प्लान यथावत जारी कर दिया जाए, इसकी संभावना काफी कम है।

पहली सीसी सिक्स लेन रोड होगी तैयार

कोलार रेस्ट हाउस से बैरागढ़ बीचली रोड को सिक्सलेन किया जा रहा है। यह सीमेंट-कॉन्क्रीट की बन रही है। इसकी लागत 222 करोड़ है। मई-जून तक इस रोड की सौगात मिलने की संभावना है। इसके अलावा नगर निगम के सभी दफ्तर एक ही छत के नीचे लगने लगेंगे। इसके लिए निगम मुख्यालय की बिल्डिंग जुलाई तक तैयार हो जाएगी।

लाखों परिवार सीवेज, वॉटर सप्लाई सिस्टम से जुड़ना होंगे शुरू

राजधानी में सीवरेज का एक और प्रोजेक्ट किया जाएगा। अब छूटे क्षेत्रों के घरों व इमारतों को इससे जोड़ने पर 345 करोड़ रुपए से अधिक खर्च किया जाएगा। इसे पूरा करने के लिए तीन साल की समय सीमा तय की गई है। अमृत 2 में यह कार्य किया जाना है। यही वॉटर सप्लाई सिस्टम और पुख्ता बनाने के लिए 379 करोड़ रुपए से अधिक खर्च किया जाएगा। इसका फायदा करीब एक लाख परिवारों को मिलेगा। लागत की लगभग 17 फीसदी राशि नगर निगम को जुटाना होगी। अमृत 2 योजना के तहत सभी काम पूरा करने के लिए तीन साल की समय सीमा तय की गई है। दोनों ही योजनाओं का कार्य इस साल शुरू हो जाएगा।

ये प्रोजेक्ट उतरेंगे जमीन पर

- भोपाल लेक कॉरिडोर यानि वीआईपी रोड का प्रोजेक्ट आठ और सिक्स लेन होगा। यह कमला पार्क से खानूगांव क्षेत्र में होटल इंपीरियल सेब्रे के पास तक आठ लेन एलिवेटेड (जमीन के ऊपर) कॉरिडोर होगा। खानूगांव के बाद एलिवेटेड कॉरिडोर दो हिस्सों में बंट जाएगा। इसके लिए 3156 करोड़ रुपए का अनुमोदन।
- भोपाल-इंदौर रोड पर फंदा से शुरू होकर रातीबढ़ के आगे से महाबड़िया होते हुए भोपाल-जबलपुर रोड पर मंडीदीप के पास इटाया कलां तक वेस्टर्न बायपास बनाया जाएगा। इसकी लंबाई 40.90 किमी रहेगी। निर्माण के साथ ही सभी खर्चों को शामिल कर प्रोजेक्ट की लागत 2993 करोड़ रुपए रहेगी।
- एयरपोर्ट के पास सिंधिया चौक से मिसरोद तक वाहन बिना रुके सरपट दौड़ेंगे। इसके लिए कई एलिवेटेड कॉरिडोर बनाए जाएंगे। साथ ही सड़कें सुधारी जाएंगी। तीन हजार करोड़ से अधिक लागत
- प्रोफेसर कॉलोनी का 570 करोड़ की लागत से रीडेंसिफिकेशन।
- 382 करोड़ रुपए की मिसरोद-बगली टाउन डेवलपमेंट स्कीम।
- लाउखेड़ी सीवेज पंप हाउस से बैरागढ़ विसर्जन घाट तक 247 करोड़ रुपए से डबल डेकर एलिवेटेड कॉरिडोर।
- 167 करोड़ रुपए खर्च कर अर्जुन फिटनेस क्लब को अंतरराष्ट्रीय स्तर का बनाना और बिजनेस पार्क का निर्माण।
- आशिमा मॉल चौराहा से सेज अपोलो हॉस्पिटल तक रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण, इसकी अनुमानित लागत 148 करोड़ रुपए।
- पांच नंबर मार्केट या सरस्वती नगर के रीडेवलपमेंट की शुरुआत।
- भदभदा से बिलकिसगंज होते हुए सीहोर तक के मार्ग को फोरलेन किया जाएगा। यह 22.50 किमी लंबा होगा। इस पर 80 करोड़ रुपए से अधिक खर्च होने का अनुमान है।
- भोपाल-देवास रोड को सिक्स लेन करने का कार्य शुरू होगा।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
2	दैनिक भास्कर	भोपाल	01.01.2024	04	2024 मे सिटी डेवलपमेंट का मॉडेल बनेगा आरकेएमपी से एमपी नगर तक का इलाका	Neutral

दैनिक भास्कर भोपाल 01-01-2024 Pg-04

आरंभ 2024 मेरा शहर

साल 2024 सिटी इंफ्रास्ट्रक्चर के लिहाज से कई सौगातें लेकर आ रहा है। खासतौर पर रानी कमलापति स्टेशन से एमपी नगर और डीबी सिटी होते हुए सुभाष नगर तक 4.8 किमी का एरिया शहरी विकास के मॉडल के रूप में तैयार है। **शहर में इस साल पूरे होंगे 1400 करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट...**

2024 में सिटी डेवलपमेंट का मॉडल बनेगा आरकेएमपी से एमपी नगर तक का इलाका

जीजी फ्लाईओवर मार्च तक पूरा, जून में चलेगी मेट्रो ट्रेन

भोपाल। ट्रैफिक के लिहाज से शहर का सबसे व्यस्त इलाका है- आरकेएमपी से बोर्ड ऑफिस चौराहा होते हुए सुभाष नगर तक का हिस्सा। शहर के डेवलपमेंट के समय बोर्ड ऑफिस चौराहा और आसपास की सड़कें केवल 3500 पीसीयू (पैसेंजर कार यूनिट यानी हर घंटे गुजरने वाली गाड़ियों की संख्या) के हिसाब से डिजाइन की गई थी। अब यहां पीसीयू 15000 से अधिक है। दिनभर में कई बार ट्रैफिक जाम यहां आम है। अब इस इलाके में गणेश मंदिर से गायत्री मंदिर तक जीजी फ्लाईओवर का काम मार्च में पूरा हो जाएगा और सुभाष नगर से आरकेएमपी तक मेट्रो ट्रेन भी शुरू हो जाएगी। यानी ये इलाका इंफ्रास्ट्रक्चर के नजरिए से शहर का सबसे समृद्ध इलाका होगा।

देश में पहली बार...

ROB के साथ बन रहा फुट ओवरब्रिज, मार्च तक होगा पूरा

ऐसा पहली बार है जब किसी रेलवे क्रॉसिंग पर रेलवे ओवरब्रिज और एफओबी एक साथ बन रहे हैं। ऐशबाग में 648 मीटर लंबे और 8.40 मीटर चौड़े आरओबी के साथ फुटओवर ब्रिज भी बन रहा है। 25 करोड़ की लागत से हो रहा काम मार्च तक पूरा हो जाएगा।

1 लाख लोगों को होगा सीधा फायदा

बरखेड़ी रेलवे फाटक बंद होने के बाद से इस इलाके की लगभग एक लाख आबादी को 1.5 किमी तक का चक्कर लगाना पड़ रहा है। लोग रेल पटरियों से पैदल निकलने का प्रयास करते हैं। हादसे होते हैं।

राजा भोज एयरपोर्ट...

अप्रैल में शुरू हो सकती है पहली इंटरनेशनल फ्लाइट

राजा भोज एयरपोर्ट से अप्रैल में समर शेड्यूल में पहली इंटरनेशनल फ्लाइट शुरू हो सकती है। इमीग्रेशन क्लीयरेंस मिल चुका है। एयरपोर्ट डायरेक्टर रामजी अवस्थी का कहना है कि कस्टम क्लीयरेंस भी जल्द मिलने की संभावना है। इसके बाद कोई भी एयरलाइंस इंटरनेशनल फ्लाइट शुरू कर सकती है। ज्यादा आसार भोपाल से दुबई या यूएई के लिए फ्लाइट के हैं।

रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर...

शहर का 5वां स्टेशन निशातपुरा, अब 10 ट्रेनों के साथ होगा शुरू

निशातपुरा टर्मिनस स्टेशन इस साल शुरू होगा। यहां 10 जोड़ी ट्रेनों को हाल्ट मिलेगा। फिलहाल यहां यात्री सुविधाएं डेवलप करने पर काम चल रहा है। करीब एक महीने में रायगंज मंडी की ओर लाइन जोड़ने समेत इंटरलॉकिंग के काम पूरे हो जाएंगे।

2024 में ये प्रोजेक्ट शुरू होंगे

1. फूल बोगदा से रॉयल मार्केट वाया शाहजहांनाबाद, भोपाल टॉकीज तक साल 2024 में 7.47 किलोमीटर रोड बनाने का काम शुरू होगा।
2. शैतान सिंह चौराहा से मनीषा मार्केट, बंसल अस्पताल, बावड़िया तिराहा से कोलार रोड तक 6.12 किमी की रोड का काम इस साल शुरू होगा।
3. भोपाल-इंदौर रोड पर संत हिरदाराम नगर में सीवेज पंप हाउस लाउखेड़ी से बिसर्जन घाट तक फ्लाईओवर का निर्माण शुरू होगा।

नए साल में ऐसा नजर आएगा ये इलाका

1 जीजी फ्लाई ओवर

60% ट्रैफिक तो ऊपर से ही गुजर जाएगा

गणेश मंदिर से गायत्री मंदिर तक 126 करोड़ से बन रहे जीजी फ्लाई ओवर का 90 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। आने वाले तीन महीनों में यह निर्माण पूरा हो जाएगा। यानी 2024 में शहरवासियों को जीजी फ्लाईओवर की सुविधा मिलने लगेगी। 60% ट्रैफिक तो फ्लाईओवर से ही गुजर जाएगा।

2 मेन और सर्विस रोड

सर्विस रोड बनेगी, पिलर्स के बीच ग्रीन एरिया

जीजी फ्लाईओवर और मेट्रो के पिलर के बीच मौजूदा रोड नए सिरे से व्यवस्थित होगी। केवल एमपी नगर के भीतर और बोर्ड ऑफिस चौराहा से न्यू मार्केट या चेतक ब्रिज जाने वाले वाहन ही नीचे की सड़क का इस्तेमाल करेंगे। पिलर्स के किनारे सर्विस रोड बनेगी। पिलर्स के बीच ग्रीनरी डेवलप होगी।

3 मेट्रो प्रोजेक्ट

इस रूट पर स्टेशनों का काम 80% तक पूरा

मेट्रो के संचालन की शुरुआत जून में हो जाएगी। आरकेएमपी से सुभाष नगर तक के रूट पर विधानसभा चुनाव से पहले ही ट्रायल रन हो चुका है। सुभाष नगर, डीबी सिटी मॉल, प्रगति और रानी कमलापति स्टेशन के सामने बनने वाले मेट्रो स्टेशनों का काम 80% तक काफी हद तक पूरा हो चुका है।

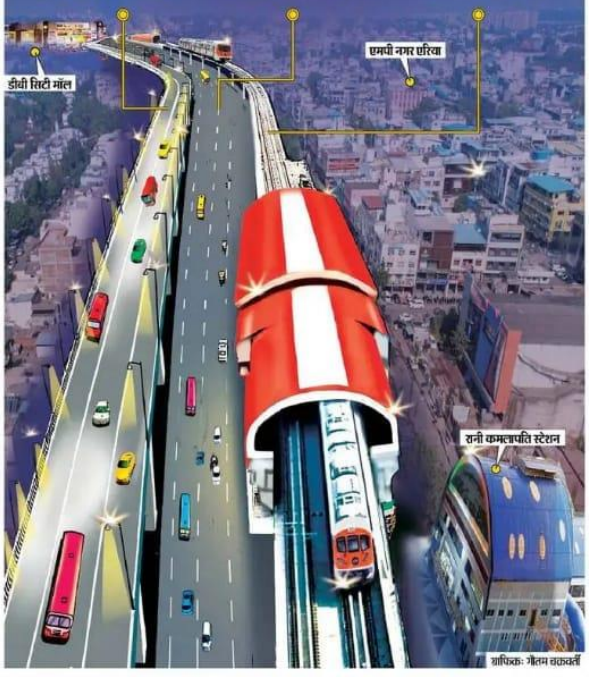

ग्राफिक्स: गौतम चक्रवर्ती

कोलार रोड सिक्सलेन प्रोजेक्ट

15 किमी में से 9 किमी बनकर तैयार, बाकी 6 किमी जून तक

चूनाभट्टी से गोल जोड़ तक 15 किमी में 222 करोड़ बनाई जा रही सिक्सलेन कोलार रोड 9 किमी बन चुकी है। अब सिर्फ 6 किमी हिस्सा बाकी है। जिम्मेदारों का कहना है कि बाकी हिस्सा भी आगामी छह महीने में यानी जून तक तैयार हो जाएगा। अभी लगभग 60 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है।

यह होगा फायदा... कोलार रोड सिक्स लेन होने से यहां की करीब 3 लाख आबादी को दिनभर लगने वाले जाम से निजात मिलेगी। ऐसे में कोलार क्षेत्र में ना सिर्फ व्यावसायिक गतिविधियां बढ़ेंगी, बल्कि कोलार का विकास भी तेज गति से होगा।

बैरागढ़ में फाटक रोड पर आरओबी मार्च तक

- बैरागढ़ में लगभग 50 साल से चली आ रही मांग के बाद फाटक रोड पर आरओबी का निर्माण चल रहा है। लगभग 12 मीटर चौड़े आरओबी की लागत 22.50 करोड़ रुपए है। लगभग 1 लाख आबादी को इससे सीधा फायदा होगा।

मल्टी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स

100 एकड़ के कॉम्प्लेक्स का पहला फेज मार्च में होगा पूरा

बड़े मल्टी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स की सौगात मिलने जा रही है। यह कॉम्प्लेक्स बरखेड़ा नाथू में बन रहा है। पूरे 100 एकड़ में निर्माणाधीन इस कॉम्प्लेक्स का पहला फेज मार्च में कम्प्लीट हो जाएगा। पहले फेज में यहां पर 12 हजार की क्षमता वाला एथलेटिक्स स्टेडियम बन रहा है।

60% काम पूरा हो चुका है इसका।

- दो हॉकी एस्ट्रोटर्फ मैदान भी लगभग तैयार हैं।
- इसमें एक मैदान रहेगा, दूसरा स्टेडियमनुमा ग्राउंड है।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
03	पीपुल्स समाचार	भोपाल	01 .01.2024	09	प्राइऑरटी कोरिडोर मे दौड़ेगी मेट्रो	पाज़िटिव

पीपुल्स समाचार
भोपाल, सोमवार 01 जनवरी 2024 | 09
www.peoplessamachar.in

CITY उम्मीदें... Happy New Year 2024

साल 2024 राजधानी में विकास की नई इबारत लिखेगा। नए साल में कई सौगातें शहर को मिलने वाली हैं। इनमें दो सबसे बड़े प्रोजेक्ट-मेट्रो और कोलार सिक्स लेन शामिल हैं। इन दोनों सुविधाओं के शुरू होने के बाद राजधानी में लोगों का सफर आसान होगा और आए दिन लगने वाले जाम से निजात मिल सकेगी।

प्रायोरिटी कॉरिडोर में दौड़ेगी मेट्रो

कमर्शियल रन मई से पहले हो सकता है शुरू

राजधानीवासियों को साल 2023 कई सौगातें दे गया। सबसे बड़ी सौगात मेट्रो जैसे आधुनिक पब्लिक ट्रांसपोर्ट की आमद है। इसी साल 3 अक्टूबर को सुभाष नगर से रानी कमलापति स्टेशन तक इसका ट्रायल रन हुआ था। उम्मीद है नए साल के मध्य में लोग इसमें सफर कर सकेंगे। इसके लिए प्रायोरिटी कॉरिडोर में सुभाष नगर डिपो से एम्स, साकेत नगर तक जरूरी सिविल वर्क जोरों से चल रहा है। मई 2024 में संभावित लोकसभा चुनाव से पहले मेट्रो का कमर्शियल रन शुरू हो सकता है।

प्रोजेक्ट की मंजूरी	30 नवंबर 2018
एमओयू साइन हुआ	19 अगस्त 2019
जॉइंट वेंचर की पहली बैठक	29 दिसंबर 2020
ट्रायल रन की समय सीमा	2023 सितंबर
मेट्रो प्रोजेक्ट की कुल लागत	6,941 करोड़ रु.
प्रायोरिटी कॉरिडोर	6.2 किलोमीटर
ट्रायल रन (सुभाष नगर से आरकेएमपी)	3 अक्टूबर 2023

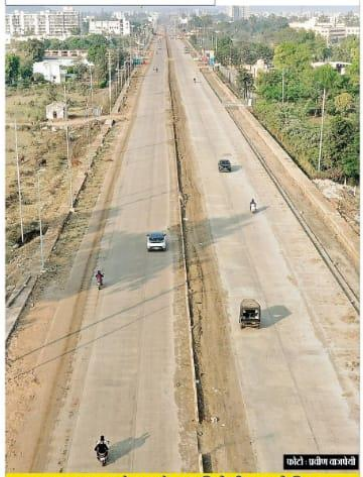

कोलार सिक्स लेन

फोटो : प्रवीण वाजपेयी

अक्टूबर तक कोलार रोड पर मिलेगी जाम से निजात

भोपाल। नए साल में अक्टूबर तक कोलार रोड को जाम से निजात मिलने की संभावना है। असल में कोलार रोड को कोलार तिहारे से गोल जोड़ तक (15.10 किलो मीटर) सिक्स लेन का भूमि पूजन 29 अक्टूबर 2022 में तत्कालीन मुख्यमंत्री द्वारा किया गया था। इस सड़क का निर्माण 222 करोड़ रुपये की लागत से पीडब्लयूडी द्वारा किया जा रहा है। हालांकि इसका काम अब तक हो जाना था, क्योंकि मंच से सीएम के सामने सड़क निर्माण 11 माह में पूरा करने की बात कही गई थी। लेकिन अतिक्रमण के चलते काम में देरी हुई।

नए साल में बनेगी सड़क: कोलार सिक्स लेन अब यह सड़क नए साल 2024 में बनकर तैयार हो जाएगी। ये प्रदेश की पहली ऐसी सड़क होगी, जिसे केबल लाइन, पाइप लाइन डालने के लिए किसी को भी खोदने की अनुमति नहीं होगी।

नगर निगम को मिलेगा नया मुख्यालय

स्वास्थ्य सुविधाएं बढ़ेंगी

महाकाल लोक की तर्ज पर बनेगा खेड़ापति हनुमान मंदिर

यादें- 2023

वारदातों ने दहलाया दिल

फ्लाईओवर की सौगात: सड़कों पर कम हो जाएगा ट्रैफिक का दबाव

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
04	पीपुल्स समाचार	भोपाल	01 .01.2024	04	मेट्रो: दो महीने मे तीन मेट्रो स्टेशन होंगे तैयार	Neutral

बदलते जमाने का अखबार
पीपुल्स समाचार

भोपाल सिटी Page: 4 January 01, 2024

मेट्रो: दो महीने में तीन मेट्रो स्टेशन होंगे तैयार

भोपाल। जून 2024 तक मेट्रो का कमर्शियल रन शुरू कर दिया जाएगा। दावा है कि दो महीने में मेट्रो के तीन स्टेशन बनकर तैयार हो जाएंगे। 3 अक्टूबर को सुभाष नगर मेट्रो डिपो से आरकेएमपी तक मेट्रो का ट्रायल रन हो चुका है। कमर्शियल रन के मद्देनजर मेट्रो कंपनी ने गणेश मंदिर से एम्स के बीच 3 स्टेशनों का काम तेज कर दिया है। गणेश मंदिर से साकेत नगर मेट्रो आरओबी का फाउंडेशन का काम हो चुका है।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
05	नवदुनिया	भोपाल	01 .01.2024	II	शहर की रफ्तार को बढ़ा दें प्रोजेक्ट	Neutral

नवदुनिया
भोपाल, सोमवार 01 जनवरी, 2024
www.naidunia.com
Pg-II

शहर की रफ्तार को बढ़ा देंगे ये प्रोजेक्ट

उम्मीद 2024 ● शहरवासियों को मेट्रो और इलेक्ट्रिक बसों की भी मिलेगी सौगात

विश्वास चतुर्वेदी ● भोपाल

राजधानी में नया वर्ष 2024 शहरवासियों को नई सौगातें देने वाला है। इसमें तुलसी नगर में बन रहे नगर निगम के मुख्यालय के साथ मेट्रो सिटी का दर्जा और इलेक्ट्रिक बसों का संचालन शामिल है। वहीं अधोसंरचना विकास से जुड़े कई प्रोजेक्ट भी चल रहे हैं, जो शहर की रफ्तार को बढ़ा देंगे। बता दें कि अभी नगर निगम की अलग-अलग शाखाओं में काम के लिए लोगों को कई कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते हैं। वर्तमान में नगर निगम का मुख्यालय गोविंदपुरा स्थित आइएसबीटी में है। जबकि अन्य कार्यालय माता मंदिर, स्मार्ट सिटी गोविंदपुरा और पुराने शहर में है। यदि तुलसी नगर में कार्यालय बन जाएगा, तो शहरवासियों को एक ही छत के नीचे नगर निगम से संबंधित सभी सुविधाएं मिल सकेंगी। फिलहाल निगम मुख्यालय भवन का 80 प्रतिशत काम पूरा हो गया है और बचा हुआ काम मार्च 2024 तक पूरा कर लिया जाएगा। इसकी अनुमानित लागत 40 करोड़ रुपये आंकी गई है। इसमें महिलाओं के लिए अलग से शी टायलेट और फीडिंग रूम की सुविधा मिलेगी।

अधिकारियों के साथ नगर निगम के नए मुख्यालय का निरीक्षण करने पहुंचे आयुक्त क्रिक नोवल ए। ● नवदुनिया

मेट्रो में यात्रा कर सकेंगे शहरवासी

एम्स से सुभाष नगर तक करीब सात किलोमीटर के प्रायोरिटी कारिडोर में मेट्रो का कामर्शियल रन शुरू किया जाएगा। इधर रत्नागिरी तिराहे से भदभदा चौराहे तक मेट्रो की ब्लू लाइन के निर्माण के लिए भी कंपनी ने काम शुरू कर दिया। इसमें 14 किमी एलिवेटेड कारिडोर, 13 मेट्रो स्टेशन, रोलिंग स्टाक समेत अन्य निर्माण कार्यों में 1122 करोड़ रुपये खर्च होंगे। साल 2026 तक ये प्रोजेक्ट पूरा हो जाएगा। जबकि एम्स से करोंद तक प्रस्तावित करीब 16 किलोमीटर कारिडोर का काम 2027 तक पूरा। इसके बाद शहर के 30 किमी मार्ग में मेट्रो का संचालन किया जाएगा।

जीजी फ्लाईओवर: यातायात की बढ़ेगी रफ्तार

शहर के एमपी नगर क्षेत्र में गणेश मंदिर से गायत्री मंदिर तक 126 करोड़ रुपये से बनाए जा रहे जीजी फ्लाईओवर का निर्माण अप्रैल 2024 तक पूरा हो जाएगा। इसके बनने के बाद अरेरा हिल्स से रानी कमलापति रेलवे स्टेशन तक पहुंचने में महज चार मिनट का समय लगेगा। जबकि अभी 10 मिनट समय लगता है। पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों का कहना है कि अरेरा हिल्स के पास करीब 250 मीटर पानी की पाइप लाइन शिफ्ट होना है, ये काम होते ही बचे हुए काम पूरे कर लिए जाएंगे।

गीले कचरे से बनेगी बायो सीएनजी

शहर से निकलने वाले कचरे में से प्रतिदिन 200 टन गीले कचरे से बायो सीएनजी बनाई जाएगी। ये काम 2024 में शुरू हो जाएगा। वर्तमान में शहर से लगभग 800 टन कचरा प्रतिदिन निकलता है और इसके निष्पादन पर निगम द्वारा 333 रुपए प्रति टन खर्च किया जाता है। आदमपुर छावनी में बायो सीएनजी प्लांट आरएनजी प्राइवेट लिमिटेड द्वारा लगाया जा रहा है, जो नए साल में काम शुरू कर देगा। निगम को इस प्लांट से 83 लाख रुपये की सालाना रायल्टी 20 सालों तक मिलेगी। साथ ही बाजार भाव से पांच रुपये कम की दर पर बायो सीएनजी निगम को दी जाएगी। यह प्लांट ठोस अपशिष्ट निष्पादन पर सालाना दो करोड़ 43 लाख नौ हजार रुपये के खर्च को बचाएगा।

सूखे कचरे से बनेगा टारीफाइड चारकोल

400 टन प्रतिदिन म्युनिसिपल सालिड वेस्ट (सूखे कचरे) से टारीफाइड चारकोल बनाया जाएगा। ये काम बिल्ट आन आपरेट माडल पर आधारित होगा और आदमपुर छावनी में 15 एकड़ भूमि पर स्थापित होने वाले प्लांट की स्थापना, संचालन, संधारण एनटीपीसी द्वारा 25 सालों तक किया जाएगा। ये प्लांट एनटीपीसी 80 करोड़ रुपये खर्च कर लगा रही है। इस प्लांट की शुरुआत से ठोस अपशिष्ट प्रबंधन पर होने वाले चार करोड़ 86 लाख 18 हजार रुपये का खर्च बचेगा।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
06	नवदुनिया	भोपाल	01 .01.2024	02	मेट्रो की योजना बनते ही तय हो गया था बीआरटीएस कोरिडोर उखड़ेगा	Neutral

मेट्रो की योजना बनते ही तय हो गया था बीआरटीएस कारिडोर उखड़ेगा

योजना विफल ● डेडिकेटेड लेन कभी पूरी बनी नहीं, जो बनाई वो शुरू से ही टूटती रही

भोपाल (नवदुनिया प्रतिनिधि)। राजधानी में बीआरटीएस यानी बस रैपिड ट्रांजिट सिस्टम कभी पूरा बन ही नहीं पाया, जो बना उसका टूटना बनते ही शुरू हो गया था। इसलिए भोपाल को इसमें सफलता नहीं मिल सकी। इधर, जिस मार्ग पर बीआरटीएस बना था, मेट्रो का रूट उससे अलग होना था। लेकिन एक ही मार्ग पर शहर के दो मुख्य सार्वजनिक परिवहन के साधनों को एक साथ संचालित करना, पहले ही तय कर चुका था कि भविष्य में बीआरटीएस फेल हो जाएगा। क्योंकि दोनों ही बड़ी जनसंख्या को परिवहन उपलब्ध कराने के लिए बनाए गए थे, ऐसे में इसे एक-दूसरे के पूरक बनाना था। बता दें कि वर्ष 2013 में मिसरोद से बैरागढ़ तक बनाए गए 24 किलोमीटर लंबे बीआरटीएस को मंडीदीप तक बढ़ाना था। फिर यह जितना बनाया, उसमें भी लिंक रोड, न्यूमार्केट, रायल मार्केट, कमलापार्क और बीआइपी रोड के आसपास भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर इसे छोड़ दिया गया। जबकि यदि बैरागढ़ से मंडीदीप तक डेडिकेटेड लेन बनाई जाती और सड़कों की चौड़ाई बढ़ाई जाती तो बीआरटीएस हटाने की आवश्यकता नहीं होती। क्योंकि बीआरटीएस जहां-जहां तोड़ा गया, उन स्थानों पर सड़क की चौड़ाई बेहद कम थी। यदि पहले से ही बैरागढ़ से मिसरोद तक सड़क की चौड़ाई एक समान होती तो बीआरटीएस की डेडिकेटेड लेन तोड़ने की आवश्यकता नहीं पड़ती।

शहर के लिए जरूरी था बीआरटीएस : जब शहर का क्षेत्रफल और जनसंख्या का भार बढ़ता है, तो वहां सुगम यातायात के लिए बेहतर परिवहन सुविधाओं की जरूरत होती है। यदि सभी लोग निजी वाहनों का उपयोग करेंगे, एक घंटे में एक सड़क से एक हजार वाहन ही गुजर पाएंगे। इसमें भी मुश्किल से 1200 यात्री ही सफर करते हैं। जबकि बस सिस्टम या बीआरटीएस में एक घंटे में पांच से छह हजार लोग यात्रा कर सकते हैं। इस तरह सार्वजनिक परिवहन से लोगों का समय और धन दोनों की बचत होती है।

ऐसे फेल होता गया बीआरटीएस : भोपाल में बीआरटीएस की अधिकतम चौड़ाई 30 मीटर, जबकि इंदौर में न्यूनतम चौड़ाई 32 मीटर है। इसलिए मिक्स लेन में जाम की नौबत बनती है।

जब डेडिकेटेड लेन में 15 मिनट में एक बस आती है, तो वहां निजी बसों और मैजिक समेत अन्य परिवहन के साधनों को छूट दी जा सकती थी। इससे मिक्स लेन में दबाव कम होता। सड़कों को चौड़ा किया गया, लेकिन चौराहे सकरे थे। जिससे फिर सड़कें जाम हो जाती हैं। कम चौड़े बीआरटीएस के बगल में ही हाकर्स कार्नर, पार्किंग और अन्य लोगों के कब्जे होने लगे, जिससे सड़क दुर्घटनाएं बढ़ने लगीं।

नर्मदापुरम रोड पर बनाए गए बीआरटीएस कारिडोर को बैरिकेड लगाकर बंद कर दिया गया है। ● नवदुनिया

इसलिए तोड़ने की पड़ी जरूरत

शहर में बस मार्ग करीब 250 किलोमीटर है, लेकिन बीआरटीएस केवल 24 किलोमीटर में आधा-अधूरा बनाया गया। फिर जनसंख्या के हिसाब से पदानुक्रम में सबसे पहले बस सिस्टम (1000 पीसीयू) फिर बीआरटीएस (4000-5000 पीसीयू) और इसके बाद मोनो रेल, ट्राम या मेट्रो (6000-8000 पीसीयू) का नंबर आता है। लेकिन मेट्रो कारिडोर का 70 प्रतिशत मार्ग बीआरटीएस से होकर गुजर रहा है। ऐसे मे एक ही मार्ग मे एक जैसे दो सिस्टम होंगे, तो उससे समस्या तो होगी। इधर बीआरटीएस तोड़ने का कारण सड़क में लगने वाले जाम और दुर्घटना को माना जा रहा है। जबकि सड़कों की चौड़ाई कम होने के कारण ये दोनों स्थितियां निर्मित हुई हैं।

इतिहास दोहराने का मौका

किसी भी शहर में एक बार सडक बनाने के बाद उसे दोबारा नए स्वरूप मे परिवर्तित करने का मौका नही मिलता है। एक बार जो बन गई, उसी के आधार पर उसका उन्नयन होता है। लेकिन भोपाल को इतिहास दोहराने का मौका मिल रहा है। इसमे हम पुरानी खामियो को दूर कर सकते हैं, जो बीआरटीएस कारिडोर जैसी न हो। जैसे कि सडक के किनारे फुटपाथ, बस स्टाप के आसपास पार्किंग और फूड कार्नर, लोगो के बैठने के लिए कुर्सियां आदि की व्यवस्था होनी चाहिए। स्कूल आफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर मे प्रोफेसर और ट्रैफिक एंड ट्रांसपोर्ट एक्सपर्ट मयंक दुबे ने बताया कि बीआरटीएस हटाने के लिए बसों का मार्ग इस प्रकार तय करना चाहिए, जिससे कि यह मेट्रो परिवहन के लिए पूरक का काम कर सके। यानी की मेट्रो पकड़ने या उतरने के बाद लोगों को सीधे बस की सुविधा मिले। लालघाटी, बैरागढ़, कोलार, शाहपुरा, रातीबड़ के साथ अन्य स्थानों मे बस परिवहन को मजबूत करना चाहिए। बस मार्ग ऐसा हो कि मेट्रो तक 200 मीटर की दूरी तय करने के लिए परिवहन सुविधा मिले।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
07	पत्रिका	भोपाल	01 .01.2024	II	राजधानी के लिए यह सौगातों का साल; सुविधाएं मिलेंगी बेमिसाल	Neutral

पत्रिका patrika.com
भोपाल, सोमवार, 01 जनवरी 2024

#Newfacility सड़क, परिवहन व पार्किंग से लेकर सेहत तक की कई परियोजनाएं होंगी पूरी, अत्याधुनिक तरीके से होगा शहर का विकास

राजधानी के लिए यह सौगातों का साल; सुविधाएं मिलेंगी बेमिसाल

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. नया साल 2024 शहर विकास में सौगातों का साल साबित होगा। संबंधित एजेंसियों पर ये काम पूरा करने के लिए जिम्मेदारी भी काफी रहेगी। मेट्रो ट्रेन प्रोजेक्ट का कमर्शियल रन शुरू करना है तो प्रदेश की पहली सीसी सिक्सलेन रोड की सौगात भी इसी साल देना है। एम्स में मल्टीलेवल पार्किंग तैयार कराना है तो जेपी में इंटीग्रेटेड पब्लिक हेल्थ लेब शुरू कराना है।

मेट्रो ट्रेन की सौगात

मेट्रो ट्रेन में शहरवासियों के सफर का इंतजार 2024 ही खत्म कराएगा। जून 2024 में कमर्शियल रन यानि यात्रियों के साथ चलने की शुरूआत कराना है।

कोलार सिक्सलेन रोड

220 करोड़ रुपए में निर्माणाधीन प्रदेश की पहली सीसी सिक्सलेन रोड पर 2024 के आखिर में ट्रैफिक शुरू कराना है। नंवबर 2023 में समय सीमा पूरा हो चुकी है। अब 2024 से उम्मीद है।

स्मार्ट मीटर की स्थापना

बिजली कंपनी को घरेलू बिजली उपभोक्ताओं के यहां स्मार्ट मीटर की स्थापना करना है। केंद्र का महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट लगातार लेटलतीफी का शिकार हो रहा है। ये प्री पेड मीटर मोबाइल की तरह संचालित होंगे।

जीजी फ्लाइओवर

शहर का सबसे लंबा 2500 मीटर का फ्लाइओवर 2024 की पहली तिमाही में आम वाहन चालकों के लिए खुलना है। अभी एप्रोच का काम चल रहा है।

नगर निगम की ग्रीन बिल्डिंग

नगर निगम को 2024 नए ग्रीन बिल्डिंग मुख्यालय की सौगात देगा। जून 2024 तक इसकी समय सीमा तय है। इसका काम पूरा कर लोगों को एक ही कार्यालय में निगम से जुड़ी सभी सुविधाएं देना है।

इंटीग्रेटेड पब्लिक हेल्थ लैब

जेपी अस्पताल में इंटीग्रेटेड पब्लिक हेल्थ लैब (आईपीएचएल) साल 2024 में होनी है। इसका फायदा यह होगा कि मरीजों को यहां स्क्रब टाइफस, कैंसर जैसी 90 तरह की जांच की सुविधा मिलेगी।

2024 शहर विकास में सौगातों का साल साबित होगा।

मल्टी लेवल पार्किंग

एम्स में रोजाना लगभग दस हजार लोगों की आवाजाही रहती है। इनकी सुविधा के लिए साल 2024 में मल्टी लेवल पार्किंग शुरू होगी।

- रजिस्ट्री में संपदा दो शुरू करना है। इससे रजिस्ट्री में गवाह की जरूरत खत्म होगी। जीआइएस से मोबाइल पर ही प्रॉपर्टी की कलेक्टर गाइडलाइन दर देखी जा सकेगी।
- हमीदिया अस्पताल में बोन मैरो ट्रांसप्लांट की सुविधा साल 2024 में शुरू होगी।
- तीन सीएम राइज स्कूल तैयार हो जाएंगे। टीटी नगर में, निशातपुरा व बैरसिया में बनेंगे। यहां अत्याधुनिक सुविधाओं और उच्च गुणवत्ता की स्थितियों में अध्ययन करेंगे।

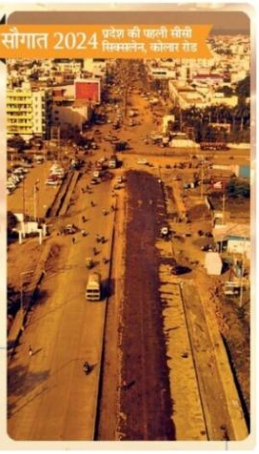

Metro News
03.01.2024

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
8	Free Press	Bhopal	03.01.2024	07	Metro work wards off pollution	Neutral

MADHYA PRADESH
Pg-07 BHOPAL | WEDNESDAY | JANUARY 3, 2024 www.freepressjournal.in

Metro work wards off pollution

ARSH RAFIK VISAAL
city.indore@fpj.co.in

Environment conservation is one of the major needs of the time when global warming and other such events are on the rise.

Keeping in mind the nature and safety of environment, the Indore Metro is taking measures to keep the construction site free from air pollution, sound pollution and garbage.

Here are a few measures which are followed at the Indore Metro construction site to avoid pollution.

Concrete waste management

The metro has made a small set-up at a site in which they gather concrete waste and process it inside the set-up. After being processed in the set-up, the waste is turned into concrete bricks which are used itself at the site for construction work. This helps in no wastage of concrete.

Officials said that during the work of concrete, there used to be a huge amount of waste concrete at the site either in concrete work or in other work. This waste is gathered in a container and then it is sent in the concrete process unit for reuse and recycling of the concrete. The machine makes the concrete waste into concrete cubes and bricks which are used further.

Water sparkling

Many heavy vehicles and heavy machines are operated at the construction site which emit smoke and movement of these heavy vehicles also circulate dust in the atmosphere. To avoid this, the Metro project is using sparklers at the site which are connected with a tanker and are being moved around the construction site. This way the dust on the ground gets moist and it does not flow in air due to vehicular movement.

Sound machine

Due to the construction work at the Metro site, huge sound gets produced which causes sound pollution. To resolve the issue, a sound machine is installed which detects the sound frequency and whenever the decibels of sound go beyond the normal sound, the machine alerts at the site and helps the working staff to reduce noise at the site and prevent sound pollution.

Nets at concrete machine

At the site, a concrete making machine has been installed by the Metro construction agencies for development of concrete at the site itself. The machine emits smoke and dust of cement which causes air pollution. To prevent pollution, Metro workers have installed green nets at the place from where cement particles flow into the air from the machine. With this netting, the particles remain inside the conveyor itself and no cement particle flows into the air.

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
9	नवदुनिया	भोपाल	03.01.2024	02	सुभाष नगर से करोंद के बीच छह स्टेशनों से होकर दौड़ेगी मेट्रो	Neutral

सुभाष नगर से करोंद के बीच छह स्टेशनों से होकर दौड़ेगी मेट्रो

भोपाल (नवदुनिया प्रतिनिधि)। भोपाल को मेट्रो परियोजना ने विकास के नए पंख दिए हैं, लगातार हो रहे ट्रैक के विस्तार के बाद अब जल्द ही लोगों को बड़ी सौगात भी मिल जाएगी। बता दें कि शहर के सुभाष नगर से करौंद के बीच एलिवेटेड कारिडोर से होकर मेट्रो गुजरेगी, इस बीच 6 स्टेशन होंगे, जिसमें बोगदा पुल, ऐशबाग, सिंधी कालोनी, डीआइजी बंगला, कृषि उपज मंडी, करोंद शामिल हैं। मेट्रो के प्रथम चरण में एम्स से करोंद तक 14 किलोमीटर मेट्रो की आरेंज लाइन बिछाई जाएगी। इसमें एम्स से सुभाष नगर तक सात किलोमीटर के एलिवेटेड कारिडोर का काम 90 प्रतिशत पूरा हो गया है। जबकि सुभाष नगर से करोंद के बीच मेट्रो कारिडोर बनना है। इसमें पातरा पुल से सिंधी कालोनी तक भूमिगत कारिडोर बनेगा, जबकि सुभाष नगर से करोंद तक दो टुकड़ों में 5.35 किलोमीटर एलिवेटेड कारिडोर का निर्माण होगा। इसके लिए यूआरसी कंस्ट्रक्शन को ठेका मिला है। इस कारिडोर छह एलिवेटेड मेट्रो स्टेशन भी बनेंगे। एलिवेटेड कारिडोर और स्टेशन बनाने में 596 करोड़ रुपये की लागत आएगी।

बता दें कि सुभाष नगर से करोंद तक एलिवेटेड कारिडोर बनाने के लिए पांच कंपनियों ने निविदा डाली थी। इसमें यूआरसी कंस्ट्रक्शन का टेंडर फाइनल हो गया। इसमें एलिवेटेड कारिडोर, मेट्रो स्टेशन और बोगदापुल के पास इंटरचेंज स्टेशन का निर्माण करना है। हालांकि मेट्रो कंपनी ने 3.39 किलोमीटर भूमिगत कारिडोर और रत्नागिरी तिराहे से भदभदा तक 12.91 एलिवेटेड कारिडोर के निर्माण के लिए भी टेंडर जारी कर दिया है।

दो चरणों में एलिवेटेड कारिडोर का निर्माण: एलिवेटेड कारिडोर को उत्तरी और दक्षिणी दो भागों में बांटा गया है। इसमें दक्षिणी भाग में सुभाष नगर से बोगदापुल के बीच 1.62 किलोमीटर की दूरी पर दो मेट्रो स्टेशन होंगे। इसके बाद मेट्रो भूमिगत कारिडोर में प्रवेश करेगी। जबकि सिंधी कालोनी से मेट्रो फिर एलिवेटेड कारिडोर पर आएगी। यहां सिंधी कालोनी से करोंद तक 3.72 किलोमीटर का उत्तरी भाग होगा। बीच में चार मेट्रो स्टेशन होंगे।

जनवरी के दूसरे सप्ताह में आएगा रैक : प्रथम चरण में 27 मेट्रो ट्रेन का संचालन किया जाएगा। इसके लिए पहली मेट्रो भोपाल आ गई है। जबकि मेट्रो का दूसरा रैक 10 जनवरी तक पहुंच जाएगा।

राजधानी में सुभाष नगर स्थित डिपो की ओर से इस तरह शुरू होगी मेट्रो। ● फाइल फोटो

जमीन से 20 मीटर नीचे बनेगी भूमिगत टनल

पातरा पुल के पास आरा मिल से सिंधी कालोनी तक 3.39 किलोमीटर का मार्ग भूमिगत होगा। इसके लिए जमीन के 20 मीटर नीचे टनल बनाई जाएगी। भूमिगत मार्ग में भोपाल रेलवे स्टेशन और नादरा बस स्टैंड के पास दो मेट्रो स्टेशन बनेंगे। इनको इस प्रकार से तैयार किया जाएगा, कि बिना परिसर से बाहर निकले यात्री मेट्रो स्टेशन से सीधे रेलवे स्टेशन या बस स्टैंड में प्रवेश कर सकेंगे। इसके लिए मेट्रो स्टेशन के आगमन और निर्गम द्वार पर एस्केलेटर भी लगाया जाएगा। जिससे यात्री आसानी से स्टेशन बदल सकेंगे।

Metro News
13.01.2024

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
10	हरि भूमि	भोपाल	13.01.2024	3	मेट्रो टैक के लिए डीआरएम ऑफिस के सामने रेल्वे क्रॉसिंग तक बनने लगा तीन स्तरीय स्टील ब्रिज	Neutral

हरिभूमि
भोपाल भूमि फ्रंट पेज
भोपाल, शनिवार 13 जनवरी 2024

यह अपने किस्म का पहला ब्रिज है, जो रोड और क्रॉसिंग पर एक साथ तीन स्तर का रहेगा

मेट्रो ट्रैक के लिए डीआरएम ऑफिस के सामने रेलवे क्रॉसिंग तक बनने लगा तीन स्तरीय स्टील ब्रिज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भोपाल मेट्रो के लिए सुभाष नगर से एम्स तक ट्रैक बिछाने का काम काफी तेजी से चल रहा है। इस मार्ग पर रानी कमलापति रेलवे स्टेशन से एम्स तक ट्रैक बिछाने का काम शेष रह गया है। क्योंकि पहले रेलवे क्रासिंग पर स्टील ब्रिज बनना है और उसके बाद तय हुआ कि डीआरएम से रेलवे क्रासिंग को कवर करते हुए स्टील ब्रिज दो बनाए जाएं। रेलवे ने पटरी के बीच में पिलर बनाने का मना कर दिया था। जिससे स्टील ब्रिज बनाने का निर्णय लिया गया और रेलवे ने इसकी अनुमति दे दी।

मध्य प्रदेश मेट्रो कंपनी द्वारा डीआरएम ऑफिस से लेकर रेलवे क्रासिंग तक और रेलवे क्रासिंग से गणेश मंदिर तक तीन स्तरीय स्टील ब्रिज बन रहा है।

दूसरी मेट्रो ट्रेन के लिए भोपाल तक की रोड टेस्टिंग शुरू | **कोहरा व मौसम** को देखते हुए हो रही जांच और ट्रैफिक व्यवस्था

दूसरी मेट्रो ट्रेन के लिए भोपाल तक की रोड टेस्टिंग शुरू

मध्य प्रदेश मेट्रो कंपनी द्वारा भोपाल के लिए एक और ट्रैन को गुजरात से हरि झंडी दे दी गई है। इस ट्रेन को भोपाल तक लाने के लिए रोड की टेस्टिंग की जा रही है। भोपाल तक ट्राले में ट्रेन लाने के लिए जहां भी किसी प्रकार की परेशानी आ रही हैए वहां उसे सुधारा जाएगा। जबकि कोहरा व मौसम को देखते हुए हो रही इस जांच की रिपोर्ट के आधार पर रोड को सुधारा जाएगा। साथ ही ट्रैफिक व्यवस्था की भी जांच की जा रही है। पूरी जांच रिपोर्ट आने और रोड सुधर जाने के बाद ट्रेन आने की तारीख की जानकारी मिल जाएगी।

Metro News
18.01.2024

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
11	नव दुनिया	भोपाल	18.01.2024	3	शहर में मेट्रो स्टेशनों के आसपास बनें स्टॉप	Neutral

शहर में मेट्रो स्टेशनों के आसपास बनेंगे नए बस स्टाप

भोपाल (नवदुनिया प्रतिनिधि)। शहर में मेट्रो के संचालन के बाद बसों के नए मार्गों का उन्नयन किया जाएगा। मेट्रो स्टेशनों के पास ही नए बस स्टाप बनाए जाएंगे। जिससे मेट्रो और बस के यात्रियों को लिंक किया जा सके। वहीं मेट्रो कारिडोर में आने वाली पानी व सीवेज की लाइनों को भी जल्द शिफ्ट किया जाएगा। जिससे निर्माण कार्य के दौरान पाइप लाइनों को क्षतिग्रस्त होने से बचाया जा सके। यह निर्देश बुधवार को नगर निगम मुख्यालय में आयोजित बैठक में आयुक्त क्रैंक नोबल ए. ने निगम अधिकारियों को दिया। साथ ही मेट्रो कंपनी व नगर निगम को आपसी समन्वयन बनाकर आगामी विकास कार्यों की रूपरेखा तैयार करने को कहा है। मेट्रो कारिडोर के निर्माण में आ रही रुकावटों को दूर करने के लिए निगम आयुक्त ने यह बैठक बुलाई थी। इस दौरान उन्होंने मेट्रो के स्टेशन व बस स्टाप को आपस में लिंक करने की योजना बनाने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया है। जिससे यात्रियों को सुगम परिवहन की सुविधा मिल सके। बता दें कि अब तक सुभाष नगर से रानी कमलापति रेलवे स्टेशन तक मेट्रो कारिडोर का निर्माण पूरा हो गया है। लेकिन इसके निर्माण के दौरान पानी की पाइपों लाइनों के बार-बार क्षतिग्रस्त होने की समस्या आ रही थी। इससे बचने के लिए निगम आयुक्त कारिडोर के निर्माण से पहले ही इन पाइप लाइनों को शिफ्ट करने का निर्देश दिया है।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
12	पीपुल्स समाचार	भोपाल	18.01.2024	4	मेट्रो और बस सर्विस लिंक करने मेट्रो स्टेशनों के पास बनें	Neutral

पीपुल्स समाचार
बदलते जमाने का अखबार
न्यूज पोर्टल | राष्ट्रीय | अंतर्राष्ट्रीय | प्रादेशिक | खेल | व्यापार
भोपाल सिटी Page: 4 January 18, 2024

मेट्रो और बस सर्विस लिंक करने मेट्रो स्टेशनों के पास बनेंगे बस स्टॉप

पीपुल्स संवाददाता ● भोपाल
मो.नं. 9300697983

राजधानी में मेट्रो कमर्शियल रन शुरू होते ही मेट्रो स्टेशनों को बस रूट से जोड़ा जाएगा। इसके लिए मेट्रो स्टेशनों के पास बस स्टॉप बनाने के साथ ही नए बस रूट भी शुरू किए जाएंगे। ये मेट्रो और बस रूट को लिंक करने के साथ ही लास्ट माइल सर्विस का हिस्सा है। इससे आम शहरी को उनके घरों और दफ्तरों से सबसे करीबी बस स्टॉप से मेट्रो स्टेशन और मेट्रो स्टेशन से बस स्टॉप की कनेक्टिविटी मिलेगी।

बता दें कि मेट्रो कंपनी और नगर निगम के बीच तालमेल की कमी की वजह से मेट्रो निर्माण के दौरान दिक्कतें आ रही हैं। इन्हीं दिकक्तों को दूर करने के लिए नगर निगम आयुक्त और मेट्रो कंपनी के अधिकारियों के बीच बैठक हुई। जिसमें मेट्रो स्टेशनों के पास बस स्टॉप बनाने, बसों के नए रूट शुरू करने के साथ ही सीवेज और पाइप लाइनें शिफ्ट करने पर सहमति बनी। बैठक में आयुक्त फ्रैंक नोबल ए ने मेट्रो कंपनी व निगम अफसरों को आपसी तालमेल से काम करने की सलाह भी दी।

दरअसल, सुभाष नगर से रानी कमलापति रेलवे स्टेशन तक मेट्रो कॉरिडोर का निर्माण पूरा हो गया है। लेकिन इसके निर्माण के दौरान पानी की पाइपों लाइनों के बार-बार क्षतिग्रस्त होने की समस्या आ रही थी। इसका खामियाजा उस क्षेत्र के रहवासियों को उठाना पड़ रहा था। इससे बचने के लिए निगम आयुक्त कॉरिडोर के आगामी निर्माण से पहले ही इन पाइप लाइनों को शिफ्ट करने का निर्देश दिया है।

मेट्रो स्टेशन के लिए शिफ्ट होंगी पानी और सीवेज की लाइनें

अधिकृत जानकारी के अनुसार, राजधानी में मार्च-अप्रैल से मेट्रो का कमर्शियल रन शुरू होने वाला है। यानी मेट्रो में आम शहरी सफर कर सकेगा। इससे पहले रूट के सभी मेट्रो स्टेशनों का काम पूरा करना है। लेकिन, स्टेशन निर्माण में सीवेज और पाइप लाइनें रोड़ा बन रही हैं। काम के दौरान लाइनें डैमेज होने से निगम का नुकसान होने के साथ ही आम जनता को परेशानी का सामना करना पड़ता है। ऐसे में इन लाइनों को नगर निगम जल्द शिफ्ट करेगा, ताकि मेट्रो स्टेशनों का निर्माण तय डेड लाइन में हो सके और लोगों को दिक्कतों का सामना न करना पड़े।

Metro News
22.01.2024

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
13	राज एक्सप्रेस	भोपाल	22.01.2024	03	शहर में 600 मीट्रिक टन बजनी स्टील ब्रिज पर दौड़ेगी मेट्रो ट्रेन	Neutral

सच कहने का साहस और सलीका

राज एक्सप्रेस

कमिश्नर रेल सेफ्टी को अनुमति के लिए लिखा, रेल लाइन के साथ ही सड़क के ऊपर बनेगा

शहर में 600 मीट्रिक टन वजनी स्टील ब्रिज पर दौड़ेगी मेट्रो ट्रेन

भोपाल ■ राज न्यूज नेटवर्क

राजधानी में मेट्रो 600 मीट्रिक टन से अधिक वजन के स्टील के ब्रिज पर दौड़ेगी। इसका ज्यादातर हिस्सा रेल लाइन के ऊपर रहेगा। बाकी सड़क से 14 मीटर ऊंचाई पर बनाया जाएगा। रेलवे ट्रैक के ऊपर ब्रिज जोड़ने (असेंबल) की अनुमति देने के लिए कमिश्नर रेल सेफ्टी को लिखा गया है। वो इसकी हरी झंडी देंगे कि ब्रिज तैयार करने के लिए कब ब्लॉक दिया जा सकता है यानि ट्रेनों को रोका या परिवर्तित समय व ट्रैक पर चलाया जा सकता है।

मेट्रो में यात्रियों के साथ सफर की शुरुआत जून-जुलाई में एम्स से सुभाष नगर के बीच की जाना है। मौजूदा स्थिति में सुभाष नगर से रानी कमलापति स्टेशन के बीच मेट्रो रूट तैयार हो पाया है। स्टेशन भी लगभग तैयार हैं। इस हिस्से में मेट्रो का ट्रायल रन पिछले साल सितंबर से चल रहा है।

रेलवे ट्रैक के ऊपर गर्डर नहीं चढ़ा सकते: मप्र मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के अधिकारियों ने बताया कि रानी कमलापति स्टेशन के बाद मेट्रो रेलवे ट्रेक के ऊपर से होकर डीआरएम ऑफिस स्टेशन तक पहुंचेगी। नियमानुसार रेलवे ट्रेक के ऊपर सीमेंट-कॉन्क्रीट के गर्डर लॉन्च नहीं किए जा सकते हैं। स्टील का ओवरब्रिज ही बनाया जा सकता है। इसके मद्देनजर रेलवे लाइन के ऊपर 65 मीट लंबाई में ब्रिज बनाया जाएगा। इसके अलावा सड़क के ऊपर 48 मीटर लंबा स्टील ब्रिज रहेगा। राजस्थान के अलवर में स्टील ब्रिज का निर्माण कराया है। यह कई हिस्सों में एक-डेढ़ महीने पहले भोपाल आ चुके हैं। कमिश्नर रेल सेफ्टी की अनुमति मिलने के बाद ट्रैक के ऊपर इनको असेंबल यानि जोड़ा जाएगा। वहीं सड़क पर ब्रिज बनाने के लिए भी ट्रैफिक डायवर्ट करना होगा। इस ब्रिज के पिलर सड़क पर बनेंगे। ऐसे में डीआरएम ऑफिस के पास बनी रोटरी तोड़ दी गई है। अधिकारियों ने बताया कि अस्थाई तौर से रोटरी हटाई है। स्टील ब्रिज बनते ही इसे दोबारा बना दिया जाएगा।

ब्रिज के ऊपर फाउंडेशन बना कर ट्रैक बिछाएंगे

मेट्रो के इंजीनियरों ने जानकारी दी कि रेलवे ट्रैक के ऊपर 14 मीटर ऊंचाई पर बनने वाला ब्रिज लगभग 15 मीटर चौड़ा होगा। इसका वजन करीब 400 मीट्रिक टन रहेगा। ब्रिज तैयार होने के बाद इस पर फाउंडेशन का कार्य किया जाएगा। फिर मेट्रो के लिए ट्रैक बिछाया जाएगा। इस रेलवे ओवरब्रिज को आगे सामान्य गर्डर से जोड़ा जाएगा। गर्डर से जोड़ कर सड़क के ऊपर 48 मीटर लंबा स्टील ब्रिज तैयार किया जाएगा। इसकी चौड़ाई आठ मीटर और वजन 200 मीट्रिक टन से अधिक रहेगा। इसके आगे एक और सामान्य गर्डर लॉन्च किया जाएगा। इस तरह रानी कमलापति से डीआरएम ऑफिस स्टेशन सीधे जुड़ जाएगा। यहां से एम्स के बीच एलिवेटेड रूट लगभग बन चुका है, स्टेशन का कार्य अंतिम चरण में है।

Metro News
23.01.2024

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
14	पीपुल्स समाचार	भोपाल	23.01.2024	5	सुभाष नगर से करोंद तक 5.35 किमी एलिवेटेड कॉरिडोर बनाएगी यूआरसी	Neutral

पीपुल्स समाचार
बदलते जमाने का अखबार

न्यूज़ पोर्टल | राष्ट्रीय | अंतर्राष्ट्रीय | प्रादेशिक | खेल | व्यापार

भोपाल सिटी Page: 5 January 23, 2024

सुभाष नगर से करोंद तक 5.35 किमी एलिवेटेड कॉरिडोर बनाएगी यूआरसी

दो टुकड़ों में होगा निर्माण, छह मेट्रो स्टेशन बनेंगे, 596 करोड़ रुपए होंगे खर्च

पीपुल्स संवाददाता ● भोपाल
मो.नं. 9300697983

प्रथम चरण में एम्स से करोंद तक 14 किमी मेट्रो की ऑरेंज लाइन बिछाई जाएगी। इसमें एम्स से सुभाष नगर तक सात किमी के एलिवेटेड कॉरिडोर का काम 90 प्रतिशत पूरा हो गया है। जबकि सुभाष नगर से करोंद के बीच मेट्रो कॉरिडोर बनना है।

इसमें पातरा पुल से सिंधी कॉलोनी तक भूमिगत कॉरिडोर बनेगा। जबकि सुभाष नगर से करोंद तक दो टुकड़ों में 5.35 किमी एलिवेटेड कॉरिडोर बनेगा। यूआरसी कंस्ट्रक्शन को इसका ठेका मिला है। इस कॉरिडोर छह एलिवेटेड मेट्रो स्टेशन भी बनेंगे। कॉरिडोर और स्टेशन बनाने में 596 करोड़ की लागत आएगी। बता दें कि सुभाष नगर से करोंद तक एलिवेटेड कॉरिडोर बनाने के लिए पांच कंपनियों ने निविदा डाली थी। इसमें सबसे कम दर यूआरसी कंस्ट्रक्शन की थी। इसमें एलिवेटेड कॉरिडोर, मेट्रो स्टेशन और बोगदापुल के पास इंटरचेंज स्टेशन का निर्माण करना है। हालांकि मेट्रो कंपनी ने 3.39 किमी भूमिगत कॉरिडोर और रत्नागिरी तिराहे से भदभदा तक 12.91 एलिवेटेड कॉरिडोर के निर्माण के लिए भी टेंडर जारी कर दिया है।

यहां एलिवेटेड मेट्रो स्टेशन बनाए जाएंगे

- बोगदा पुल
- ऐशबाग
- सिंधी कॉलोनी
- डीआइजी बंगला
- करोंद कृषि उपज मंडी

दो टुकड़ों में होगा निर्माण : कॉरिडोर को उत्तरी और दक्षिणी दो भागों में बांटा गया है। इसमें दक्षिणी भाग में सुभाष नगर से बोगदापुल के बीच 1.62 किमी की दूरी पर दो मेट्रो स्टेशन होंगे। इसके बाद मेट्रो भूमिगत कॉरिडोर में प्रवेश करेगी। जबकि सिंधी कॉलोनी से मेट्रो फिर एलिवेटेड कॉरिडोर पर आएगी। यहां सिंधी कॉलोनी से करोंद तक 3.72 किमी का उत्तरी भाग होगा। इसके बीच में चार मेट्रो स्टेशन होंगे।

जमीन से 20 मीटर नीचे बनाई जाएगी भूमिगत टनल

पातरा पुल के पास आरा मिल से सिंधी कॉलोनी तक 3.39 किलोमीटर का मार्ग भूमिगत बनाया जाएगा। इसके लिए जमीन के 20 मीटर नीचे टनल बनाई जाएगी। इसके साथ ही भूमिगत मार्ग में भोपाल रेलवे स्टेशन और नादरा बस स्टैंड के पास दो मेट्रो स्टेशन भी बनो जाएंगे। इनको इस प्रकार से तैयार किया जाएगा कि बिना परिसर से बाहर निकले यात्री मेट्रो स्टेशन से सीधे भोपाल रेलवे स्टेशन या बस स्टैंड में प्रवेश कर सकेंगे। इसके लिए मेट्रो स्टेशन के आगमन और निर्गम लार पर एस्केलेटर भी लगाया जाएगा। जिससे यात्री लगेज के साथ भी आसानी से स्टेशन बदल सकेंगे।